भारत सरकार
कारपोरेट कार्य मंत्रालय

लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या. 1078
(जिसका उत्तर सोमवार, 10 फरवरी, 2025/21 माघ, 1946 (शक) को दिया गया)

एमसीए वी3.0 पोर्टल के लाभार्थी

1078. डॉ. दग्गुबाती पुरंदेश्वरीः

क्या **कारपोरेट कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने डिजिटल कारपोरेट अनुपालन अवसंरचना की स्थापना के लिए कोई उपाय किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) सरकार द्वारा ई-गवर्नेंस के विस्तार के लिए लॉन्च किए गए एमसीए वी3.0 पोर्टल का ब्यौरा क्या है;
(ग) एमसीए वी3.0 पोर्टल के लाभार्थियों की संख्या कितनी है;
(घ) क्या सरकार ने प्रतिस्पर्धा-विरोधी अभ्यासों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रभाव को समझने के लिए कोई बाजार अध्ययन कराया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा प्रतिस्पर्धा-विरोधी अभ्यासों के संचालन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दुरुपयोग को कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

कारपोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री।

(श्री हर्ष मल्होत्रा)

(क), (ख) और (ग): कारपोरेट फाइलिंग को डिजिटल बनाने, अनुपालन में सुधार लाने और हितधारकों को एमसीए सेवाओं तक सुरक्षित पहुंच प्रदान करने के लिए 2006 में एमसीए21 पोर्टल आरम्भ किया गया था। प्रवर्तन को और मजबूत करने, व्यापार करने में सुगमता को बढ़ाने और उपयोगकर्ता अनुभव में वृद्धि करने के लिए एमसीए21 का संस्करण-3 आरम्भ किया गया है। एमसीए21 वी3 के माध्यम से, वेब फाइलिंग, ई-एडजुडिकेशन, ई-परामर्श, ई-बुक, लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम आदि जैसी कार्य आरम्भ किए गए हैं। लगभग 21.40 लाख कंपनियां और एलएलपी एमसीए21 पोर्टल की सेवाओं का लाभ उठा रही हैं। इसके अतिरिक्त, निदेशक, प्रैक्टिसिंग पेशेवर, कंपनी नोडल अधिकारियों सहित 60 लाख से अधिक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता सीधे एमसीए21 सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं।

(घ) और (ङ): भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और प्रतिस्पर्धा पर एक अध्ययन शुरू किया है। आगे की उचित कार्रवाई अध्ययन के निष्कर्षों पर निर्भर करेगी।

*****